अगर आप जीवन से प्रेम करते हैं और चाहते हैं कि आपका दिन
अच्छा हो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

बाइबल हमारे जीवन की तुलना एक ऐसे साधन (वाहन) से करती है जो अपने आप नहीं चलता, बल्कि उसे चलाने के लिए स्टीयरिंग (नियंत्रण) की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए: कार, जहाज़ या हवाई जहाज़—ये सभी शक्तिशाली होते हैं, लेकिन बिना स्टीयरिंग के ये अपने आप सही दिशा में नहीं जा सकते।

समुद्र में हवा कितनी भी तेज़ क्यों न हो, वह जहाज़ को उसकी मंज़िल तक नहीं पहुँचा सकती, लेकिन एक छोटा-सा स्टीयरिंग पूरे जहाज़ की दिशा बदल सकता है।

इसी प्रकार हमारे मसीही जीवन में भी एक “स्टीयरिंग” होता है।

वह स्टीयरिंग क्या है?

बाइबल इसका उत्तर देती है:

याकूब 3:2–12 (भावार्थ हिन्दी में)

“हम सब बहुत बार गलतियाँ करते हैं। जो व्यक्ति अपनी बातों में कभी नहीं चूकता, वही सिद्ध मनुष्य है और अपने पूरे शरीर को भी नियंत्रित कर सकता है।

अगर आप जीवन से प्रेम करते हैं और चाहते हैं कि आपका दिन
अच्छा हो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

हम घोड़ों के मुँह में लगाम लगाते हैं ताकि वे हमारी आज्ञा मानें और हम पूरे शरीर को नियंत्रित कर सकें।

इसी तरह जहाज़ भी बहुत बड़े होते हैं और तेज़ हवाओं से चलाए जाते हैं, फिर भी एक बहुत छोटे स्टीयरिंग से वे उस दिशा में मोड़े जाते हैं जहाँ कप्तान चाहता है।

इसी प्रकार जीभ भी एक छोटा सा अंग है, लेकिन वह बड़ी-बड़ी बातें करती है। देखो, एक छोटी आग कितना बड़ा जंगल जला सकती है।

जीभ भी आग है—अधर्म का संसार। यह हमारे शरीर के अंगों में एक ऐसी चीज़ है जो पूरे शरीर को अशुद्ध कर सकती है और जीवन की दिशा को बिगाड़ सकती है, और इसे नरक की आग से जलाया जाता है।

हर प्रकार के पशु-पक्षी और समुद्री जीव मनुष्य द्वारा वश में किए जा चुके हैं, लेकिन जीभ को कोई भी पूरी तरह वश में नहीं कर सकता। यह एक अशांत और घातक ज़हर से भरी हुई है।

इसी जीभ से हम परमेश्वर की स्तुति भी करते हैं और उसी से मनुष्यों को शाप भी देते हैं जो परमेश्वर के स्वरूप में बनाए गए हैं। एक ही मुँह से आशीर्वाद और शाप दोनों निकलते हैं—ऐसा नहीं होना चाहिए।

अगर आप जीवन से प्रेम करते हैं और चाहते हैं कि आपका दिन
अच्छा हो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

क्या एक ही स्रोत से मीठा और खारा पानी निकल सकता है? नहीं।

इसी प्रकार कोई पेड़ एक ही समय पर दो प्रकार के फल नहीं दे सकता।”

निष्कर्ष

इन वचनों से स्पष्ट है कि हमारे जीवन का स्टीयरिंग हमारी जीभ (बोलने की शक्ति) है।

अगर शैतान को हमारी जीभ मिल जाती है, तो वह हमारे पूरे जीवन को बिगाड़ सकता है, जैसे तूफान समुद्र में जहाज़ को भटका देता है।

बाइबल चेतावनी देती है कि कोई व्यक्ति चाहे कितना भी धार्मिक काम करे—जैसे गरीबों की मदद करना, चर्च जाना, दान देना—यदि वह अपनी जीभ को नियंत्रित नहीं करता, तो उसका धर्म व्यर्थ हो सकता है।

याकूब 1:26 (हिन्दी भावार्थ)

“यदि कोई व्यक्ति अपने आप को धार्मिक समझता है, लेकिन अपनी
जीभ को नियंत्रित नहीं करता, तो वह अपने मन को धोखा देता है

अगर आप जीवन से प्रेम करते हैं और चाहते हैं कि आपका दिन
अच्छा हो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

और उसका धर्म व्यर्थ है।”

आज बहुत से लोग दूसरों की बुराई करते हैं, चुगली करते हैं, झूठ बोलते हैं, अशोभनीय बातें करते हैं—और फिर भी सोचते हैं कि उनका जीवन ठीक है।

लेकिन सच यह है कि यदि जीभ नियंत्रित नहीं है, तो आत्मिक जीवन भी असंतुलित हो जाता है।

1 पतरस 3:10–12 (भावार्थ हिन्दी में)

“जो कोई जीवन से प्रेम करना चाहता है और अच्छे दिन देखना
चाहता है, वह अपनी जीभ को बुराई से और अपने होंठों को छल-कपट
से रोके।

वह बुराई को छोड़कर भलाई करे, शांति की खोज करे और उसका पीछा करे।

अगर आप जीवन से प्रेम करते हैं और चाहते हैं कि आपका दिन
अच्छा हो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

क्योंकि प्रभु की आँखें धर्मियों पर लगी रहती हैं और उसके कान उनकी प्रार्थनाओं की ओर लगे रहते हैं, लेकिन वह बुराई करने वालों के विरुद्ध होता है।”

जीवन का उदाहरण

कभी-कभी दुर्घटनाएँ बाहर के कारणों से नहीं, बल्कि ड्राइविंग की गलती (स्टीयरिंग की समस्या) से होती हैं। वाहन अच्छा होता है, नया होता है, लेकिन एक छोटी-सी गलती बड़े हादसे का कारण बन जाती है।

इसी तरह शैतान भी चाहता है कि वह हमारे जीवन के स्टीयरिंग—यानी हमारी जीभ—को नियंत्रित कर ले।

समाधान क्या है?

जीभ को नियंत्रित करने का सबसे अच्छा तरीका केवल प्रार्थना या उपवास ही नहीं, बल्कि अपनी आदतों को बदलना है।

बुरी संगति से दूर रहें
चुगली और नकारात्मक बातों से बचें
जब कोई बुरी बात लाए, तो उसे भलाई में बदल दें
लोगों के अच्छे पक्ष को याद करें, बुरे को नहीं

अगर आप जीवन से प्रेम करते हैं और चाहते हैं कि आपका दिन
अच्छा हो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

नीतिवचन 10:19 (हिन्दी भावार्थ)

“अधिक बोलने में पाप की कमी नहीं होती, लेकिन जो अपने होंठों
को रोकता है वह बुद्धिमान है।”

नीतिवचन 21:23 (हिन्दी भावार्थ)

“जो अपने मुँह और जीभ को नियंत्रित करता है, वह अपने जीवन को संकट से बचाता है।”

नीतिवचन 26:20 (भावार्थ)

“जहाँ लकड़ी नहीं होती, वहाँ आग बुझ जाती है; और जहाँ चुगली करने वाला नहीं होता, वहाँ झगड़े समाप्त हो जाते हैं।”

अंतिम बात

क्या आप जीवन से प्रेम करते हैं और अच्छे दिन देखना चाहते हैं?

अगर आप जीवन से प्रेम करते हैं और चाहते हैं कि आपका दिन
अच्छा हो

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

तो अपनी जीभ को नियंत्रित कीजिए।

नीतिवचन 18:21 (हिन्दी)

“जीभ में जीवन और मृत्यु का सामर्थ्य है, और जो इसे प्रेम
करते हैं वे इसके फल को खाएँगे।”

प्रार्थना

“हे प्रभु, मेरे मुँह पर पहरेदार रख, और मेरे होंठों के द्वार की रक्षा कर।”

भजन संहिता 141:3

प्रभु यीशु आपको बहुत आशीष दें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

[illegible]

Share on:
WhatsApp